Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 15-05-2006
Participants : Yadav Shri Ram Kripal,Yadav Prof. Ram Gopal,Suman Shri Ramji Lal,Ponnuswamy Shri Mohan

an>

Title : Situation arising out of naxalite violence in Dantewara district of Chhattisgarh.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : सभापति जी, 12 मई को छत्तीसगढ़ प्रांत में दंतेवाड़ा जिले में तीन पुलिस अधिकारियों सहित चार लोगों की हत्या हुई और पांच लोग घायल हुए। यह वही स्थान है, जहां इससे पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं। इसी जिले में एक बार 52 लोगों का अपहरण हुआ था और नक्सलवादियों ने 15 लोगों की हत्या कर दी थी। एक बार नहीं, कई बार इस सदन में कहा गया है कि हिन्दुस्तान के आधे से अधिक प्र ाांत नक्सलवाद की चपेट में हैं। यह कहकर नहीं टाला जा सकता कि कानून व्यवस्था राज्य का विाय है। यह सही अर्थों में आर्थिक और सामाजिक ि वामता से जुड़ा हुआ प्रश्न है। भारत सरकार को इस सम्बन्ध में जो अपेक्षित कार्रवाई करनी चाहिए थी, राज्यों से मिलकर देश में इस सम्बन्ध में सार्थक कार्य योजना बनानी चाहिए थी, वह नहीं बनाई है। यह गम्भीर सवाल है और इसका सम्बन्ध गरीबी से, लाचारी से, आर्थिक और सामाजिक ि वामता से है। अगर इस गम्भीर समस्या पर भारत सरकार ने तत्काल कार्रवाई नहीं की तो आने वाले समय में संकट और गहरा हो सकता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से विनम्र आग्रह करना चाहूंगा कि राज्यों के मुख्यमंत्रियों और मुख्य सचिवों से गृह मंत्री जी तत्काल कोई प्रभावी कार्य योजना बनाएं, जिससे इस तरह की गम्भीर घटनाओं से निपटा जा सके। मेरा ऐसा मानना है कि यह देश की सबसे गम्भीर समस्या है, अगर इसके समाधान के लिए ऐसा प्रयास नहीं किया गया तो आने वाले समय में संकट और गहरा हो सकता है।

श्री राम कृपाल यादव : सभापति जी, मैं अपने को रामजीलाल सुमन की इस बात से सम्बद्ध करता हूं।

SHRI P. MOHAN (MADURAI): Sir, I also associate with this matter.

MR. CHAIRMAN : All right.

प्रो. राम गोपाल यादव : सभापति जी, सुमन जी ने जो यह मामला उठाया, वास्तव में बहुत गम्भीर स्थिति पूरे देश में चल रही है। चाहे छत्तीसगढ़ हो या उत्तर प्रदेश का हिस्सा हो या फिर आंध्र प्रदेश, झारखंड या उड़ीसा हो, धीरे-धीरे यह मामला बहुत खराब होता जा रहा है। केन्द्र सरकार को गम्भीरता से इस सम्बन्ध में कोई वर्क प्लान बनाना पड़ेगा। अगर ऐसा नहीं होता तो देश की एकता और अखण्डता को खतरा हो सकता है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि गम्भीरतापूर्वक वह इस पर कोई कार्रवाई करे।

MR. CHAIRMAN : Now, the House shall take up Item No. 16 -- Matters under Rule 377.

… (*Interruptions*)

SHRI P. MOHAN : Sir, I have also given a notice for raising a very important matter of urgent importance.

MR. CHAIRMAN: The remaining special mentions would be taken up before the adjournment of the House today.

श्रीमती करुणा शुक्ला (जाँजगीर) : सभापति जी, बहुत महत्वपूर्ण घटना है जिस पर मैं बोलना चाहती हूं।

सभापति महोदय : शाम को बोल लीजिएगा।